an>

Title: Shortage of LPG in Uttarakhand.

श्री बची सिंह रावत 'बचदा' (अल्मोड़ा) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे एक अति महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया। महोदय, हमारे उत्तराखंड में रसोई गैस की आपूर्ति बहुत कम हो गई है जिससे गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है। इसमें भी विशेष रूप से आई.ओ.सी. की ओर से गैस सप्लाई बहुत कम हो गई है जिसका 90 प्रतिशत शेयर है। नए कनैक्शन नहीं मिल रहे हैं और पुराने कनैक्शन्स के अगेन्स्ट में गैस नहीं मिल रही है। हिन्दुस्तान पैट्रोलियम और भारत पैट्रोलियम की तो प्रापर सप्लाई है लेकिन उनका 10 प्रतिशत ही शेयर है। पहले विशेष छूट दी गई थी और यहां के लिए ट्रंसपोर्ट में सबसिडी थी, वह इसलिए दी गई थी कि ग्रामीण पर्वतीय क्षेत्रों का जंगलों पर दबाव कम हो। लेकिन आज फिर से वही स्थिति आ गई है कि लोग जंगलों पर दबाव डाल रहे हैं। यह वन और पर्यावरण के लिए भी खतरा है। खाद्यान्न कटौती, मिट्टी के तेल की कटौती या चीनी कटौती होती है तो उसको तो बाज़ार से ले सकते हैं।[h21]

लेकिन वहां जंगल के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। इसलिए दोनों चीजों को देखते हुए, लोगों की कठिनाई और विशेष रूप से महिलाओं की कठिनाई को देखते हुए, ग्रामीण क्षेत्र में गैस की जो सप्लाई नहीं हो रही है, उसके ऊपर सरकार विशेष रूप से ध्यान [r22]दे और उसकी आपूर्ति शीघ्रातिशीघ्र कराए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।